

➤ बहुविकल्पीय प्रश्न

(क) सही विकल्प चुनो -

1. कवि इस कविता में किसकी तरह मुस्काने को कहता है ?

उत्तर - बाल अरुण

2. रोज सवेरे किसका दल गाता है ?

उत्तर - चिड़ियों का

3. निर्झर से कवि क्या सिखाना चाहता है ?

उत्तर- आगे बढ़ना

4. नदी क्या कहती है ?

उत्तर - सबकी प्यास बुझाओ

5. दीपक सुलगकर क्या कहता है ?

उत्तर- अंधकार में भटकने वालों को राह दिखाओ

6. किसके जीवन की सराहना इस कविता में की गई है ?

उत्तर- जो दूसरों के लिए दुःख सहते हैं

7. जाति-देश का नाम कौन कर जाते हैं ?

उत्तर- जो दूसरों की विपदा में काम आते हैं

(ख) नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखो -

1. 'आँखों के तारे' शीर्षक कविता में कवि ने सूरज न कहकर 'बाल अरुण ' जैसे मुस्काना क्यों कहा है ?

उत्तर - बाल अरुण का अर्थ है प्रातः काल का सूर्य जिसकी किरणें शीतल होती हैं , इसलिए कवि ने बाल अरुण जैसे मुस्काने को कहा है ।

2. झरना हमें क्या प्रेरणा देता है ?

उत्तर - झरना हमें मस्ती में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है , वह हमें विघ्न - बाधाओं को रास्ते से हटाने की प्रेरणा देता है ।

3. देश का नाम कैसे लोग ऊँचा कर सकते हैं ?

उत्तर - जो दूसरों की मुसीबत में उनके काम आते हैं ऐसे लोग देश का नाम ऊँचा कर सकते हैं ।

4. तुम जग की आँखों के तारे कैसे बन सकते हो ?

उत्तर - दूसरों के लिए जीकर तथा उनकी हर मुसीबत में सहायता करके हम जग की आँखों के तारे बन सकते हैं ।

5. 'आँखों के तारे' कविता से तुम्हें क्या शिक्षा मिलती है ?

उत्तर - इस कविता से हमें यह शिक्षा मिलती है कि मस्ती का जीवन जिओ और परोपकार जीवन बिताओ ।

(ग) पंक्तियाँ पूरी करो -

1. दीप सुलगकर कहता है **तुम ऐसी ज्योत जलाओ** ।
2. अपने लिए जिए जो **उसको क्या जीवन कहते हैं ?**
3. औरों की विपदा में जो **आते हैं सब दिन काम** ।

(घ) 'आँखों के तारे' शीर्षक कविता का सार अपने शब्दों में लिखो ।

उत्तर - इस कविता में सूर्य की भाँति मुस्कराने तथा चिड़ियों के सामान गाने की प्रेरणा दी गई है। झरने से हम आगे बढ़ने की प्रेरणा ग्रहण कर सकते हैं , वह रास्ते के पत्थरों को पीस डालता है। नदी परोपकार की शिक्षा देती है, वह सभी की प्यास बुझाती है । वृक्ष लोगों को छाया देते हैं । दीप जलकर लोगों को रास्ता दिखाता है । वास्तव में दूसरों के लिए जीना ही सच्चा जीवन है। प्रकृति से भी हमें परोपकार की शिक्षा मिलती है। हवा भी परोपकारियों की गौरव-गाथा गाती है । ऐसे परोपकारी व्यक्ति ही सभी की आँखों के तारे अर्थात् दुलारे होते हैं।

भाषा बोधन

(क) निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखो -

नभ - आकाश , आसमान

अरुण - लाल रंग, सूर्य

निर्झर - झरना , स्त्रोत

नदी - सरिता , तटिनी

पेड़ - तरु , वृक्ष

(ख) निम्नलिखित शब्दों में विशेषण ढूँढकर लिखो -

बाल अरुण - बाल

घने पेड़ - घने

नील गगन - नील

मस्त निर्झर - मस्त

(ग) निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलो -

चिड़िया - चिड़ियाँ

विपदा - विपदाएँ

नदी - नदियाँ

तारा - तारे

राज-दुलारा - राज-दुलारे

आँख - आँखें

